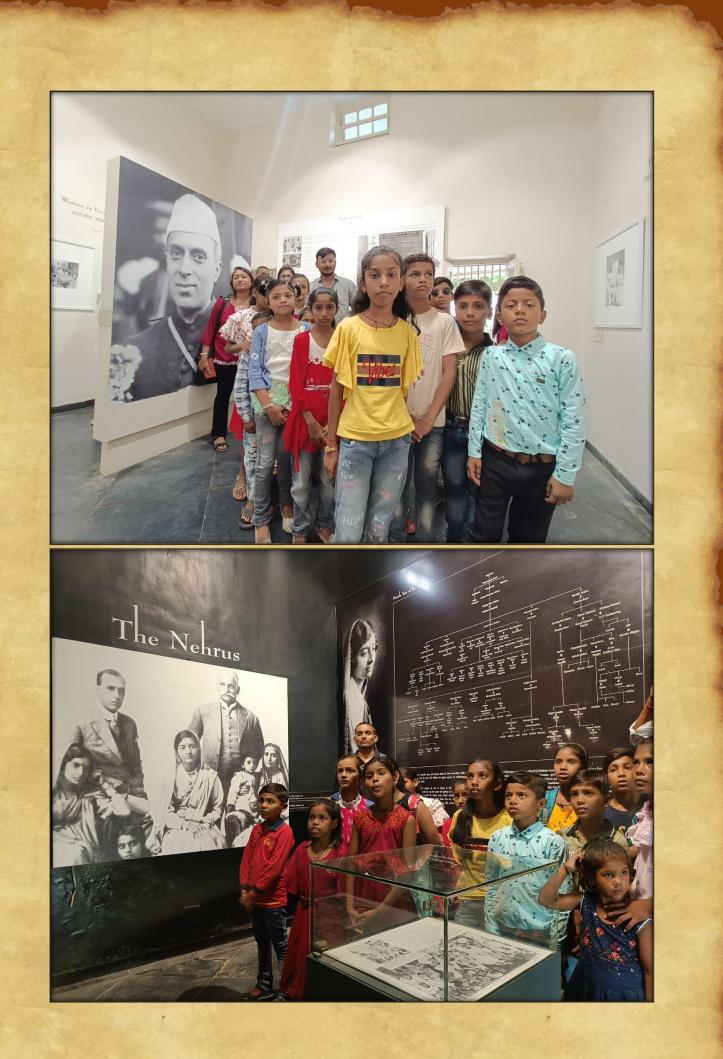


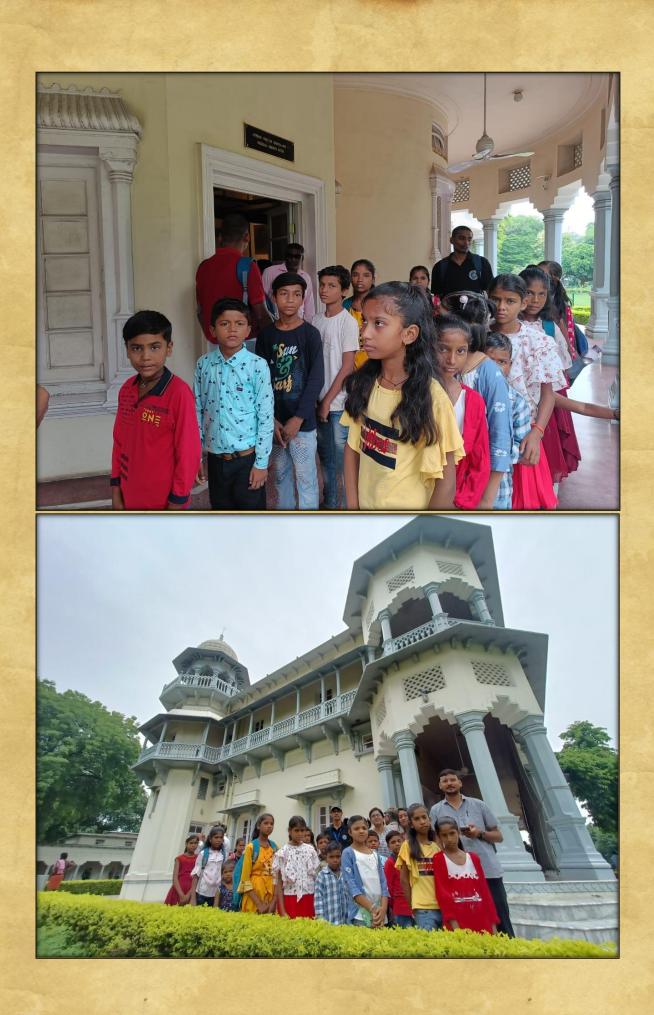
भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में स्वराज भवन के प्रति बच्चों में जागरूकता

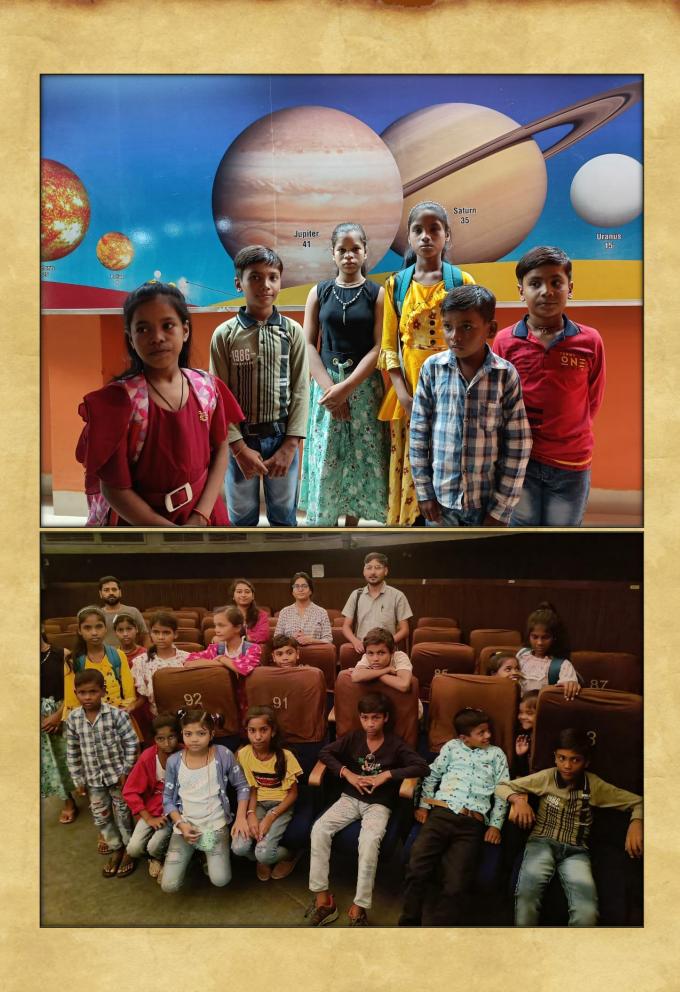
उत्तर प्रदेश में कल का इलाहाबाद जो आज का प्रयागराज है। इस शहर का नाम बदलने से इसका जज्बा नहीं बदला। इलाहाबाद ने ही आजादी के आन्दोलन को जन आन्दोलन बनाया था। इलाहाबाद स्थित आनन्द भवन में बनती थी रणनीतियां। स्वतंत्रता संग्राम में यह शहर कान्तिकारियों का गढ़ हुआ करता था। शहर की कई ऐसी इमारतें हैं, जो आज भी आजादी के मतवालों की शौर्य गाथा सुनाती हैं।

उक्त कम में मारत छोड़ो अन्दोलन के आरम्म दिवस पर आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र द्वारा स्वदेश सेवा संस्थान (गैर सरकारी संगठन) के माध्यम से विभिन्न प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को ऐतिहासिक भवन (स्वराज मवन तथा आनन्द भवन) का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में स्वराज भवन की भूमिका तथा आनन्द भवन स्थित संग्रहालय व तारामण्डल के प्रदर्शन द्वारा बच्चों में शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देना रहा। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री आलोक यादव के मार्ग दर्शन में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 50 बच्चों एवं केन्द्र के 20 अनुसंधान अध्येताओं ने ऐतिहासिक स्थल स्वराज भवन व आनन्द भवन का भ्रमण किया तथा इसके महत्व को जाना। शैक्षिक भ्रमण में केन्द्र के बिजय सिंह, आशीष यादव, स्वाती प्रिया, राहुल निषाद, सांचिली वर्मा, महुआ तथा स्वदेश सेवा संस्थान के केतन मोदनवाल आदि अन्य उपस्थित रहे। शैक्षिक भ्रमण की कुछ झलकियां









## भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में स्वराज भवन के प्रति बच्चों में जागरूकता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वदेश सेवा संस्थान, गैर सरकारी संगठन के माध्यम से विभिन्न प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को स्वराज भवन तथा आनन्द भवन का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। भारत छोड़ो आंदोलन के आरम्भ दिवस पर आयोजित शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में स्वराज भवन की भूमिका तथा आनन्द भवन स्थित संग्रहालय व तारामण्डल के प्रदर्शन द्वारा बच्चों में शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देना रहा। शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्ग दर्शन में ऐतिहासिक स्थल स्वराज भवन व आनंद भवन का भ्रमण विभिन्न विद्यालयों के लगभग 50 बच्चों एवं केन्द्र के 20 अनुसंधान अध्येताओं ने किया। शैक्षिक भ्रमण में केन्द्र के अनुसंधान अध्येता आशीष यादव, राहुल, सांचिली, महुआ तथा स्वदेश सेवा संस्थान के केतन मोदनवाल आदि अन्य उपस्थित रहे।

